② उत्तरी विशाल मैदान

शिवालिक श्रेणी अथवा बाह्य हिमा० के स्थानीय नाम –

1. जम्मू पहाड़ियां – JK
2. दूधवा या धांग – UK
3. चूरियाघाट- मूरियाघाट – नेपाल
4. मोरनी पहाड़ियाँ – हरियाणा
5. सोमेश्वर पहाड़ियां – बिहार
6. दार्जिलिंग की पहाड़िया – प. बंगाल
   - यहां व सिक्किम में लेप्चा जनजाति के लोग निवास करते हैं।
   - चाय के बागान
7. डाफला 8. मिरि 9. अबोर 10. मिश्मी श्रेणियां
   → अरूणाचल प्रदेश

मध्य हिमा॰ तथा शिवालिक श्रेणी के मध्य अनुदैर्ध्य संकीर्ण घाटियाँ पायी जाती हैं जिन्हे पूर्व की ओर (द्वार) व पश्चिम की ओर (दून) कहा जाता है।

द्वार → हरिद्वारा, कोटद्वार

दून → देहरादून, कालका दून, जम्मूदून, रामनगरदून

देहरादून → ✓ भारत की सबसे बडी दून घाटी

रामनगरदून → पश्चिमी चंपारण (बिहार)

Note → नागिन, केसरबाग व मनसबल झीलें → JK

पूर्वांचल हिमालय :-

1. सारामती चोटी - नागा पहाड़ियों की सर्वोच्च चोटी

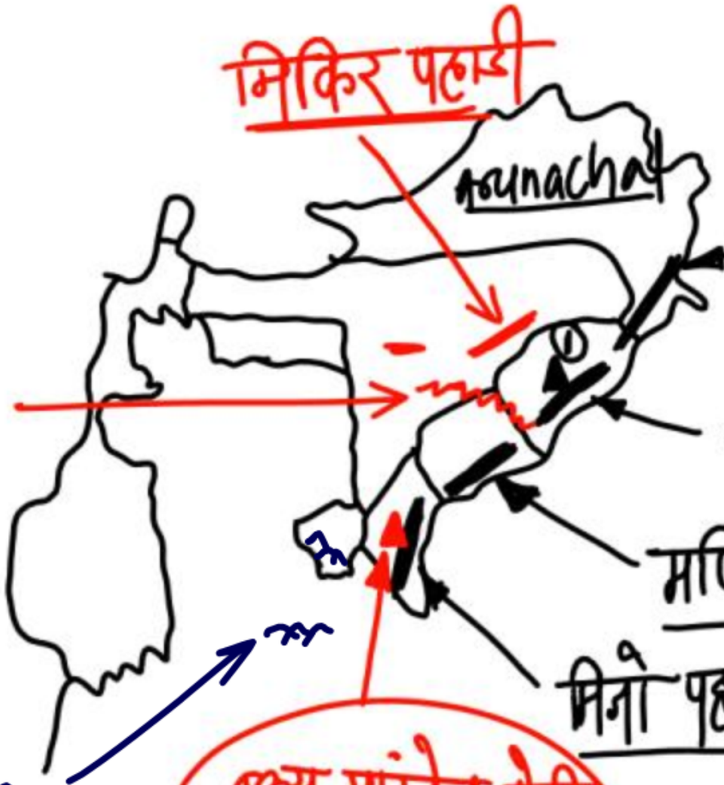

बरैल पहाड़ी

- असम, नागालैंड व मणिपुर मे
- मणिपुर व नागा पहाड़ियों को पृथक करती है

हिमालय का प्रादेशिक वर्गीकरण
(Regional Classification of Himalaya)

सर सिडनी बुरार्ड द्वारा प्रस्तुत किया गया।

नदियों के आधार पर 4 भागों में बांटा।

Note:- पूर्वी हिमा० में हिम रेखा 4500 मी. जबकि पश्चिमी हिमा० में 5300 मी. पर पायी जाती है।

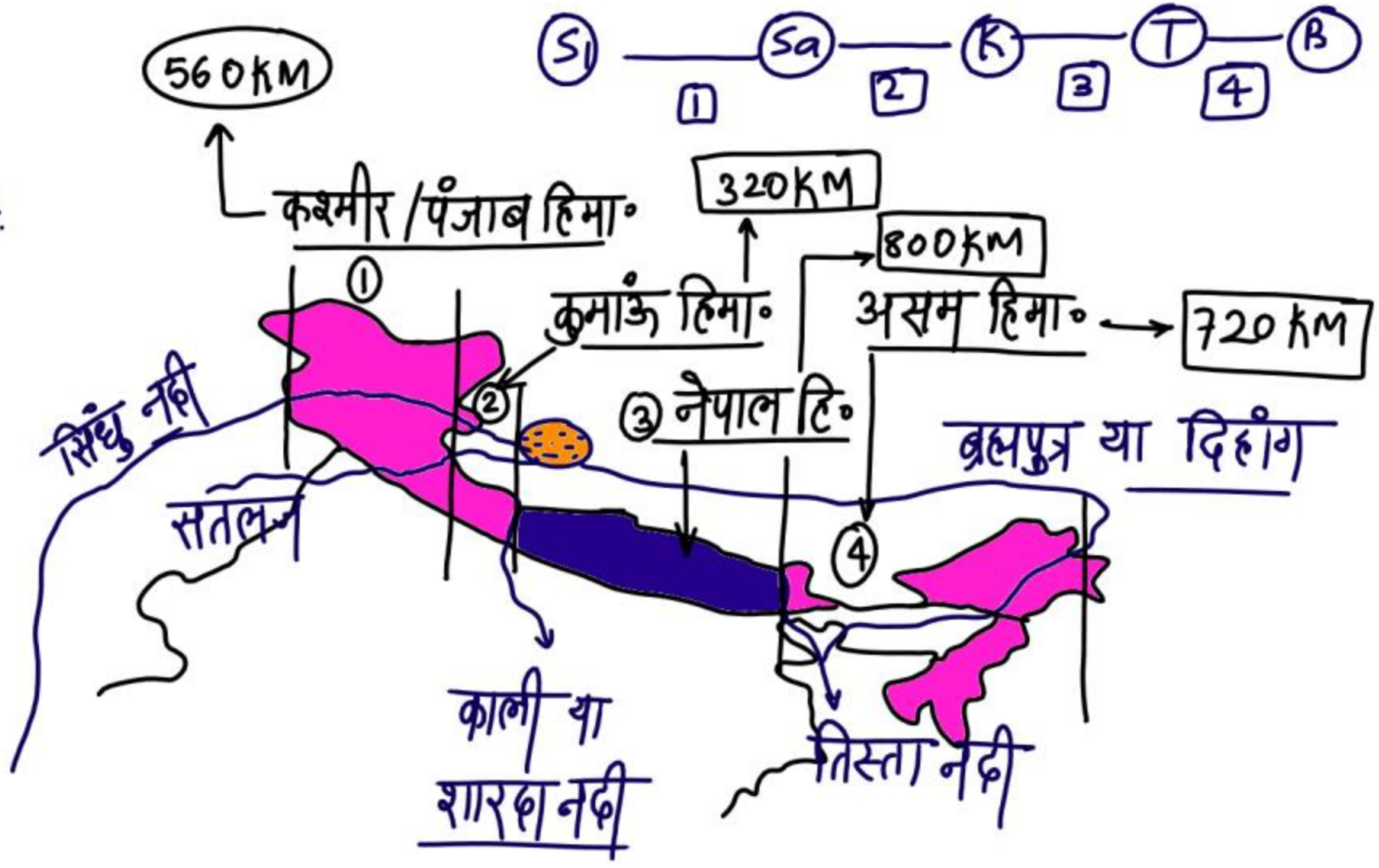

②. उत्तरी विशाल मैदान Northern Great Plain

- विश्व के सर्वाधिक उपजाऊ जलोढ़ मैदानों में से एक है।
  alluvial Plain
- निर्माण Formation :- नदियों द्वारा लाये गये अवसाद के निक्षेपण से
- सिंधु - गंगा - ब्रह्मपुत्र एवं इनकी सहायक नदियों द्वारा लाये गये अवसाद के निक्षेपण से।

- इसका विस्तार हिमालय तथा प्रायद्वीपीय पठार के मध्य पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पूर्वी राज., UP, बिहार, प. बंगाल व असम तक मिलता है।
- कुल लंबाई = 3200 KM
- औसत चौड़ाई = 150 से 300 KM
- औसत गहराई = 1000 से 2000 मी ⭐
- औसत ऊंचाई = 200 मी.
- अधिकतम ऊंचाई = 291 मी.

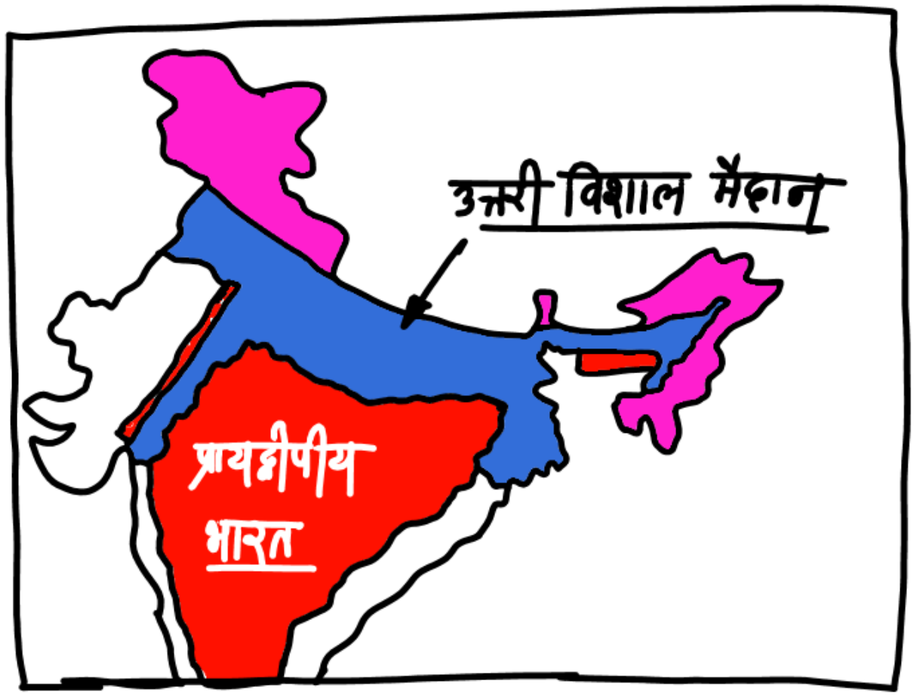

↓

अंबाला व सहारनपुर के मध्य दिल्ली कटक के रूप में है, जो ⭐⭐ सिंधु व गंगा अपवाह तंत्र को पृथक करता है।

PGT वाले और Optional वाले stu.

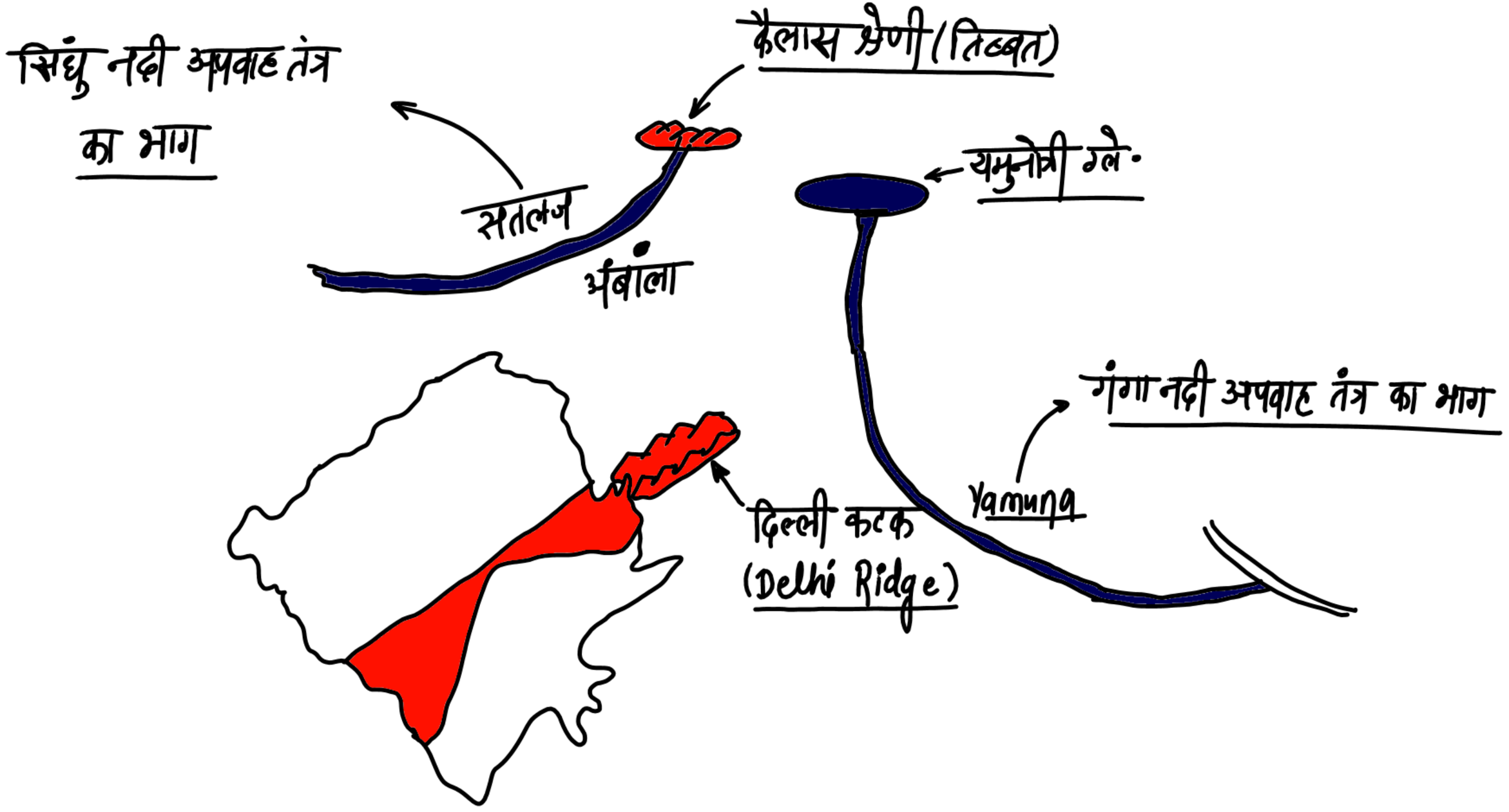
सिंधु नदी अपवाह तंत्र का भाग
कैलास श्रेणी (तिब्बत)
सतलज
अंबाला
यमुनोत्री ग्लेशियर
गंगा नदी अपवाह तंत्र का भाग
Yamuna
दिल्ली कटक
(Delhi Ridge)

उत्तरी मैदान का वर्गीकरण
Classification of N.P.

① भौगोलिक वर्गी०

(i) भाबर प्रदेश

(ii) तराई प्रदेश

(iii) जलोढ़ प्रदेश
- (a) खादर
- (b) बांगर

★ डेल्टाई प्रदेश

② प्रादेशिक वर्गी०

(i) पंजाब-हरि० का मैदान

(ii) गंगा का मैदान
- @ ऊपरी गंगा मैदान
- ⓑ मध्य गंगा मैदान
- © निम्न गंगा मैदान

(iii) ब्रह्मपुत्र अथवा असम का मैदान

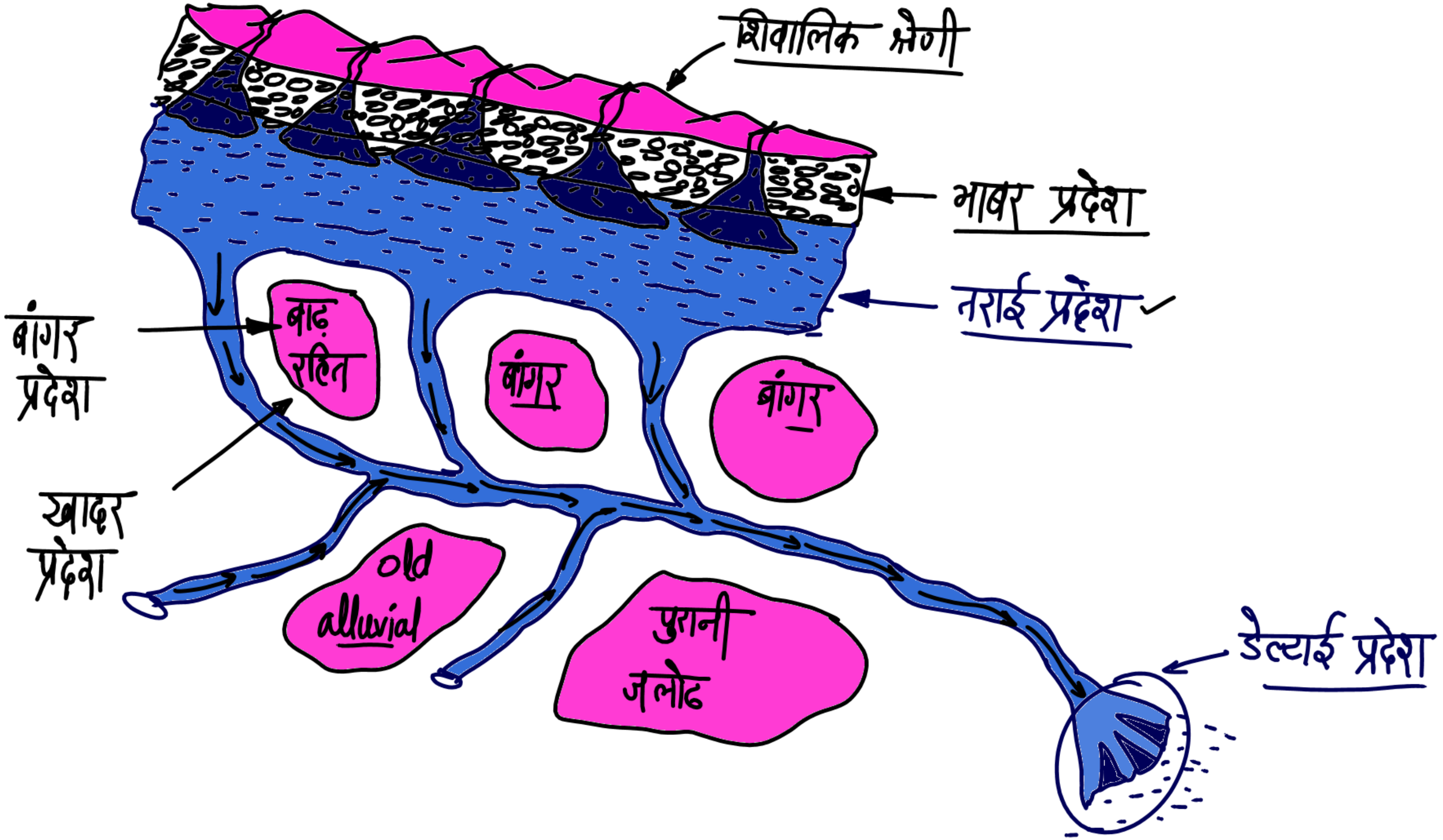
शिवालिक श्रेणी
भाबर प्रदेश
तराई प्रदेश
बांगर प्रदेश
बाढ़ रहित
बांगर
बांगर
खादर प्रदेश
old alluvial
पुरानी जलोढ
डेल्टाई प्रदेश

(i) भाबर प्रदेश - शिवालिक के गिरिपाद क्षेत्र में नदियों द्वारा लाये गये शैलों, गोलाश्मों का निक्षेपण कर दिया जाता है जो कि 8 से 10 KM चौडी पट्टी के रूप में विस्तृत है।

→ यहा छोटी नदियाँ इस पथरीले भाग में विलुप्त हो जाती हैं।

दलदल या अनूप

(ii) तराई प्रदेश :- भाबर के दक्षिण में 10 से 20 KM चौडी दलदली पट्टी का विस्तार है जहां भाबर में विलुप्त नदियां पुनः धरातल पर प्रकट होती है।

↳ यहां सघन वनस्पतियां मिलती हैं तथा मच्छरों की अधिकता के कारण मलेरिया जैसी समस्याएं हो जाती हैं।